कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग.

दिनांक–21.08.2015

छात्रों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में शैक्षिक सत्र 2015-16 के प्रारंभ में नव प्रवेश बीए, बी कॉम, एवं बीएससी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 21.08 2015 को एक दिवसीय उन मुखी कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं अतिथि प्रोफेसर जीएम गुप्ता भूतपूर्व प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उद्बोधन के क्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर सी एस पटेल ने सभी नव प्रवेश छात्रों का महा विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं कार्यालय स्टाफ का परिचय कराया। डॉक्टर पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रथम वर्ष छात्रों के लिए एक चुनौती भरा वर्ष रहता है क्योंकि इसमें 12वीं के बाद पाठ्यक्रम में बदलाव आता है परीक्षा के पैटर्न में बदलाव आता है एवं हमारी शारीरिक व मानसिक स्थिति में भी काफी हद तक बदलाव आता है। अतः नए छात्रों को इस परिवर्तन को अपने अनुकूल बनाना होगा और महाविद्यालय के अनुशासन एवं नियमों का पालन करते हुए अपना अध्ययन करना होगा।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह समय जिसे हम सामान्य रूप से टीनएज कहते हैं बहुत ही क्रुशल एवं संवेदनशील होता है। इस समय हमारे शरीर में काफी बदलाव आता है जिसके कारण हमारे मानसिक अवस्था सोच व्यक्तित्व में भी कुछ परिवर्तन होते हैं। यह समय आपके लिए स्वर्णिम काल होगा क्योंकि इसी समय से आपकी भविष्य की बुनियाद रखी जाएगी। अगर आप अभी अपने मन की मनोवेग पर नियंत्रण रख लेंगे तो आप सभी परिस्थितियों से जूझ सकते हैं, उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के बारे में बताते हुए कहा की मैं भी राष्ट्रीय सेवा योजना का एक छात्र रहा हूं और राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थी जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस इकाई से जोड़कर आप ना केवल अपने पढ़ाई के लिए आगे बढ़ेंगे बल्कि आप अपने सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन अच्छे से कर सकते हैं। अंत में आप सभी लोगों का इस महाविद्यालय परिसर में मैं हार्दिक स्वागत करता हूं।

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ राम कुमार मिश्र ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा महाविद्यालय एक परिवार की भांति कार्य करता है सभी प्राध्यापक गण महाविद्यालय परिसर में शिक्षक के साथ-साथ आपके गार्जियन के रूप में भी रहेंगे। हमारे यहां का शैक्षणिक वातावरण बहुत ही सहज एवं तनाव मुक्त है। महाविद्यालय में पाए जाने वाले सभी शैक्षिक सुविधाओं का आप लाभ लेकर अपने आगे की पढ़ाई जारी रखेंगे और किसी भी तरह की परेशानी या कठिनाई आने पर आप संबंधित प्राध्यापक या स्वयं मुझसे संपर्क कर सकते हैं। यह महाविद्यालय ग्रामीण अंचल में होने के कारण यहां के छात्रों के लिए एक वरदान के रूप में साबित होगा अतः मेरा आप सब से आग्रह है कि आप अपने मित्र जो उच्च शिक्षा के लिए इच्छुक हो उन्हें इस महाविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित करें। अंत में एक बार पुन आप सभी छात्रों का मैं महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत करता हूं।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापक गण एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर के आनंद कौशिक ने किया एवं मंचासीन अतिथियों का आभार प्रदर्शन श्री अमित सिंह बनाफर ने किया।

Principal
Govt.-College Sitapalli
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

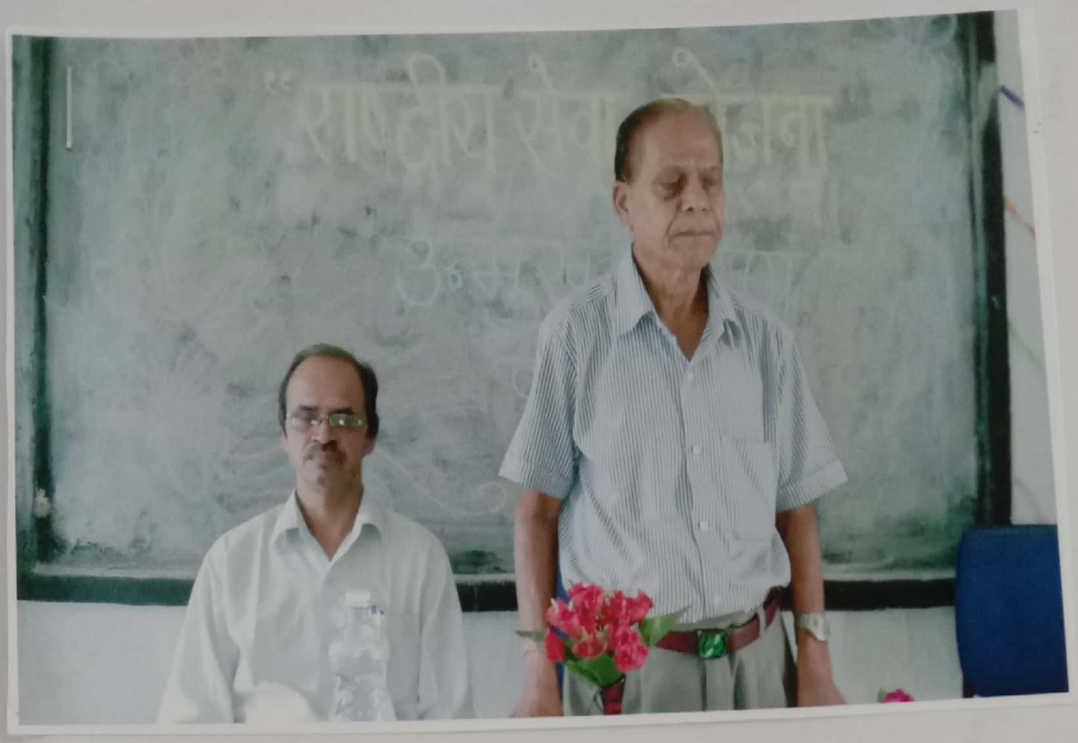

एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम :- सत्र 2015-16

मुख्य वक्ता :- प्रो. जी.एम. गुप्ता प्राध्यापक अर्थशास्त्र
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा.

अध्यक्षता :- प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र
शा. महा. सिलफिली.

विवरण :—

प्रो. गुप्ता द्वारा N.S.S. प्रथम वर्ष के स्वयं सेवकों को N.S.S. का विद्यार्थी जीवन में महत्व पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili @gmail.com

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जन्मदिवस पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती तथा महात्मा गाँधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात् बी ए अंतिम की छात्रा शमीना परबीन ने महात्मा गाँधी के जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बृजकिशोर त्रिपाठी ने बताया कि महात्मा गाँधी ने विदेश जाकर रंगभेद के खिलाफ आंदोलन किया। गाँधीजी जिसे सत्य मान लेते थे उसपर परिणाम की चिंता किए बगैर अडिग रहते थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने अपने उदबोधन में कहा कि गाँधीजी सत्य को ही ईश्वर मानते थे। उन्होंने गाँधी जी की तीन प्रमुख मान्यता की ओर ध्यान आकर्षित कराया– भलाई में अपनी भलाई समझना, शारीरिक श्रम को सबसे बड़ा तथा महत्त्वपूर्ण कार्य मानना तथा नाई तथा वकील के काम को बराबर मानना अर्थात किसी के काम को छोटा या बड़ा न मानना। उन्होंने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टाइन ने गाँधीजी से मिलने के बाद कहा था कि भविष्य में लोग इस बात पर विश्वास नहीं करेंगे कि हाड़–मांस से बना ऐसा त्यागी और निःस्वार्थी जीव भी दुनिया में हुआ होगा। उन्होंने कहा कि गाँधीजी के व्यक्तित्व का कुछ अंश का भी अनुपालन यदि हम अपने जीवन में कर सकें तो गाँधीजी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में साफ सफाई की।

कार्यक्रम का संचालन तथा कार्यक्रम के समापन के समय आभार प्रदर्शन रासेयो की महाविद्यालय की इकाई के कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्री अमित सिंह बनाफर ने किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी श्री बिरेंद्र सिन्हा, श्री रवि सिंह, श्री अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य

Scanned with CamScanner

प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र का संबोधन

व्याख्यान में भाग लेते महाविद्यालय के विद्यार्थी

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम

अम्बिकापुर अंस)।
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जन्मदिवस पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती तथा महात्मा गाँधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात बी ए अंतिम की छात्रा शमीना परबीन ने महात्मा गाँधी के जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक बृजकिषोर त्रिपाठी ने बताया कि महात्मा गाँधी ने विदेष जाकर रंगभेद के खिलाफ आंदोलन किया। गाँधीजी जिसे सत्य मान लेते थे उसपर परिणाम की चिंता किए बगैर अडिग रहते थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने अपने उदबोधन में

कहा कि गाँधीजी सत्य को ही ईष्वर मानते थे। उन्होंने गाँधी जी की तीन प्रमुख मान्यता की ओर ध्यान आकर्षित कराया- भलाई में अपनी भलाई समझना, शारीरिक श्रम को सबसे बड़ा तथा महत्त्वपूर्ण कार्य मानना तथा नाई तथा वकील के काम को बराबर मानना अर्थात किसी के काम को छोटा या बड़ा न मानना। उन्होंने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टाइन ने गाँधीजी से मिलने के बाद कहा था कि भविष्य में लोग इस बात पर विष्वास नहीं करेंगे कि हाड़-मांस से बना ऐसा त्यागी और निःस्वार्थी जीव भी दुनिया में हुआ होगा। उन्होंने कहा कि गाँधीजी के व्यक्तित्व का कुछ अंष का भी अनुपालन यदि हम अपने जीवन में कर सकें तो गाँधीजी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दूसरे चरण में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में साफ सफाई की।

कार्यक्रम का संचालन तथा कार्यक्रम के समापन के समय आभार प्रदर्षन रासेयो की महाविद्यालय की इकाई के कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक अमित सिंह बनाफर ने किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक अजय कुमार तिवारी, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, भारत लाल कंवर, आषीष कौषिक, संदीप सोनी बिरेंद्र सिन्हा, रवि सिंह, अषोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

"अम्बिकावाणी · 4·10·2019"

Scanned with CamScanner

सत्य को ईश्वर के रूप में किया स्थापित

पत्रिका - 03 अक्टू 2019

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती तथा महात्मा गाँधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। छात्रा शमीना परबीन ने महात्मा गाँधी के जीवन के कृतित्व व व्यक्तित्व से अवगत कराया। बृजकिशोर त्रिपाठी ने गांधी जी अस्पृश्यता की को बताया। प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने कहा कि गाँधीजी सत्य को ही ईश्वर मानते थे। उन्होंने गाँधी जी की तीन प्रमुख मान्यता की ओर ध्यान आकर्षित कराया। भलाई में अपनी भलाई समझना, शारीरिक श्रम को सबसे बड़ा तथा महत्त्वपूर्ण कार्य मानना तथा नाई तथा वकील के काम को

बराबर मानना अर्थात किसी के काम को छोटा या बड़ा न मानना। महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई की। कार्यक्रम के दौरान अमित सिंह बनाफर, अजय कुमार तिवारी, शालिनी शांता कुजूर, अंजना, भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, संदीप सोनी, बिरेंद्र सिन्हा, रवि सिंह, अशोक राजवाड़े, सुनीता गुप्ता उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग.email-govt.collegesilphili@gmail.com

गाँधीजी की 150वीं जयंती पर निबंध तथा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन

गांधी जी की 150वीं जयंती पर निबंध तथा प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में 15 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था- "वर्तमान संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता"। उक्त प्रतियोगिता में कुल 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन कक्ष क्रमांक 7 में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी सरला बीए अंतिम वर्ष , द्वितीय स्थान पर 2 विद्यार्थी रहे पुनीता सिरदार बीए अंतिम वर्ष तथा समीना परवीन बीए द्वितीय वर्ष। प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर रही सुनीता राजवाड़े उक्त प्रतियोगिता की विशेष बात यह रही कि प्रतियोगिता में सिर्फ लड़कियां ही विजेता रही उक्त प्रतियोगिता के कुल 12 प्रतिभागियों में सिर्फ 4 प्रतिभागी छात्र थे, 8 प्रतिभागी छात्राएं ही थे। इसी प्रकार महाविद्यालय के विभिन्न प्रतियोगिताओं में लड़कियों की भागीदारी ही अधिक रहती है । प्रतियोगिता के संयोजक महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अजय कुमार तिवारी रहे।

छत्तीसगढ़ शासन के उसी पत्र के तारतम्य में दिनांक 21 दिसंबर 2018 को प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो गांधीजी के जीवन पर आधारित था। उक्त प्रतियोगिता में गांधीजी के बचपन उनके जीवन तथा राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भागीदारी के संबंध में प्रश्न पूछे गए प्रतियोगिता में कुल 7 समूहों के 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया अर्थात दो-दो विद्यार्थियों का एक-एक समूह बना। प्रतियोगिता में भागीदारी बहुत उत्साहजनक रही। टीम ए में समीना तथा ज्योति कुशवाहा टीम बी में ममता सिंह तथा अंजना विश्वास, टीम सी में देवेंद्र तथा बोधन राम, टीम डी में शिवचरण तथा नंदकुमार, टीम ई में दीपा कुशवाहा तथा खुशराजी टीम एफ में देवंती मार्को तथा सुरीता तथा टीम जी में संजय सिंह तथा संदीप ने भागीदारी की। उक्त प्रतियोगिता में टीम सी अर्थात देवेंद्र तथा बोधन राम जो बीएससी अंतिम वर्ष के छात्रों का समूह था ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ए तथा एफ दोनों ही बराबर अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहे। टीम ई के प्रतिभागी तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे।

उक्त प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन प्राध्यापक अमित सिंह बना पर तथा श्री आशीष कुमार कौशिक ने किया तथा इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में श्रीमती अंजना, श्री अजय कुमार तिवारी, श्रीमती सुनीता गुप्ता रहे इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

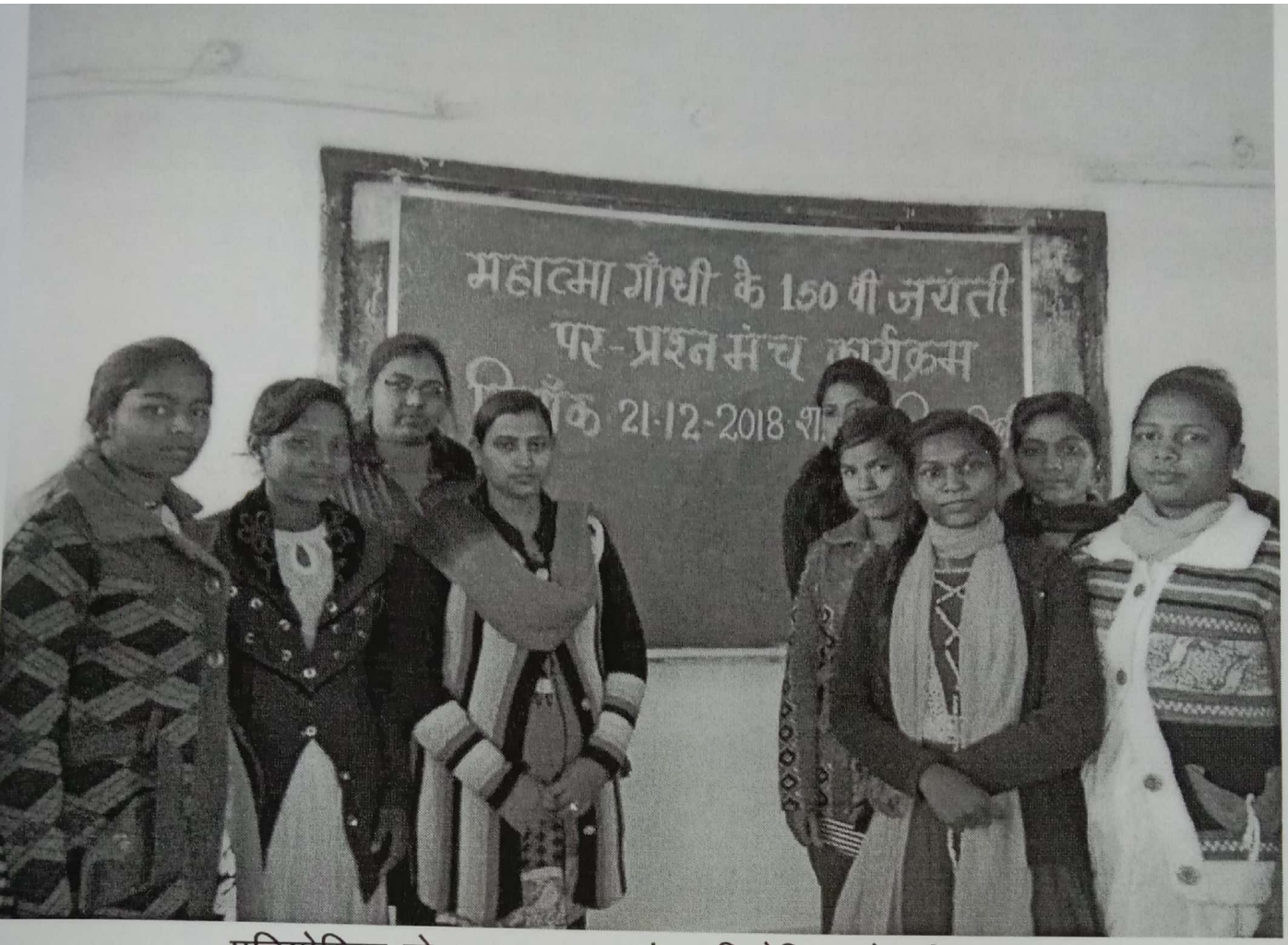

प्रतियोगिता के पश्चात् प्रश्न मंच प्रतियोगिता के प्रतिभागी

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. *email-govt.collegesilphili @gmail.com*

आवश्यक सूचना

दिनांक–14–12–2018

महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती समारोह के कार्यान्वयन के तारतम्य में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 15/12/2018 को दोपहर दो बजे किया जाएगा। निबंध प्रतियोगिता का विषय निम्नानुसार हैं–

वर्तमान संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता

प्रतियोगिता में अधिकाधिक विद्यार्थियों की प्रतिभागिता अपेक्षित है। प्रतिभागी अपना नाम दिनांक 15/12/2018 को दोपहर 12 बजे तक श्री अजय कुमार तिवारी के पास अवश्य पंजीकृत करा लें।

B.Com. I 40 III 45

प्राचार्य

Principal
Govt.-College Silphili
Distt.-Surajpur (C.G.)

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili@gmail.com

कक्ष कमांकः– 07

दिनांक 15 / 12 / 18

उपस्थिति पत्रक

निबंध प्रतियोगिता

विषयः– वर्तमान संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता

क	प्रतिभागियों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर	परिणाम
1	शमीना परवीन	बी ए द्वितीय	—	द्वितीय
2	अंचल विश्वकर्मा	बी ए द्वितीय	—	—
3	सरला	बी ए अंतिम	—	प्रथम
4	पुनीता सिरदार	बी ए अंतिम	—	द्वितीय
5	ज्योति कुशवाहा	बी ए द्वितीय	—	—
6	शिवचरण	बी एससी द्वितीय	—	—
7	प्रेम कुमार	बी एससी अंतिम	—	—
8	संजय कुमार	बी ए प्रथम	—	—
9	सुरीता राजवाड़े	बी ए प्रथम	—	तृतीय
10	प्रियंका साहा	बी एससी द्वितीय	—	—
11	साधना सिंह	बी एससी द्वितीय	—	—
12	देवेंद्र गिरि	बी एससी अंतिम	—	—

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili@gmail.com

उपस्थिति पत्रक

कक्ष कमांकः– 07

दिनांक 15/12/18

निबंध प्रतियोगिता

विषयः– वर्तमान संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता

क	प्रतिभागियों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर	
1	शमीना परवीन	B.A. II year	Shamina	
2	अंचल ~~जायसवाल~~ – विश्वकर्मा	B.A II nd year	Anchal	
3	सरला	B.A. III year	Sarla	
4	पुनीता सिरदार	B.A III Year	Puny	
5	ज्योति ~~विश्वकर्मा~~ कुशवाहा	B.A II year	[illegible]	
6	शिवचरण	B.~~Sc~~. II year	Shiv	
7	प्रेम कुमार	B.Sc II year,	Prem	
8	संजय कुमार	B.A. I year	S singh	
9	सुरीता	B.A.I year	सुरीता राजवाडे	
10	प्रियंका साहा	BSc II year	Priyanka	
11	साधना सिंह	BSc II year	Sadhna	
12	देवेंद्र गिरि	B.Sc. III Year	Devendra	

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. *email-govt.collegesilphili@gmail.com*

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली के रासेयो इकाई द्वारा रासेयो की 50वीं स्थापना दिवस पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने प्रथम सत्र में महाविद्यालय में प्रातः 9.30 बजे से 12 बजे तक श्रमदान किया गया, जिसमें पौधों की सुरक्षा की व्यवस्था एवं महाविद्यालय की सफाई की गई। रासेयो के 18 वर्ष या उससे अधिक के स्वयंसेवकों द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार रेड रिबन क्लब की स्थापना की गई जिसमें 17 छात्र–छात्राओं ने रक्तदान के लिए अपना पंजीयन कराया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र के मुख्य अतिथि श्री प्रभु नारायण वर्मा, सेवा निवृत्त बैंक मैनेजर बैंक आफ बड़ौदा रहे। सत्र की शुरूआत माँ सरस्वती तथा रासेयो के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इसके पश्चात् बी ए अंतिम की छात्रा ज्योति कुशवाहा द्वारा रासेयो का विस्तृत परिचय दिया गया, कुमारी शमीना परबीन ने रासेयो के प्रेरणापुरुष स्वामी विवेकानंद के जीवन परिचय तथा पूरे विश्व में उनके द्वारा भारतीय संस्कृति की विशेषताओं के प्रचार से अवगत कराया। छात्रों को स्वामीजी से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन प्रोजेक्टर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री प्रभुनारायण वर्मा द्वारा स्वामीजी के जीवन की विभिन्न घटनाओं को विस्तारपूर्वक रखा गया। साथ ही रासेयो की नई चुनौतियों एवं कर्तव्यों के प्रति स्वयंसेवकों को जागरुक किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। वे युवाओं की शक्ति को विश्व में सबसे बड़ी शक्ति मानते थे। शिकागो के सर्वधर्म सम्मेलन में बड़े जद्दोजहद से बोलने का समय पानेवाले स्वामीजी के संबोधन 'मेरे प्यारे भाइयों और बहनों' से ही हजारों लोग चकित हुए और उनके भाषण को मंत्रमुग्ध सुनते चले गए। कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने अपने उदबोधन में स्वयंसेवकों को स्वामीजी के जीवन से प्रेरणा लेने व उनके उपदेशों को अपने जीवन में उतारने को कहा।

कार्यक्रम का संचालन तथा कार्यक्रम के समापन के समय आभार प्रदर्शन रासेयो की महाविद्यालय की इकाई के कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्री अमित सिंह बनाफर ने किया। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक श्री बृजकिशोर त्रिपाठी, श्री अजय कुमार तिवारी, श्रीमती शालिनी शांता कुजूर, श्रीमती अंजना, श्री भारत लाल कंवर, श्री आशीष कौशिक, श्री संदीप सोनी श्री बिरेंद्र सिन्हा, श्री रवि सिंह, श्री अशोक राजवाड़े, श्रीमती सुनीता गुप्ता तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य

Scanned with CamScanner

मुख्य अतिथि श्री प्रभुनारायण वर्मा का स्वागत

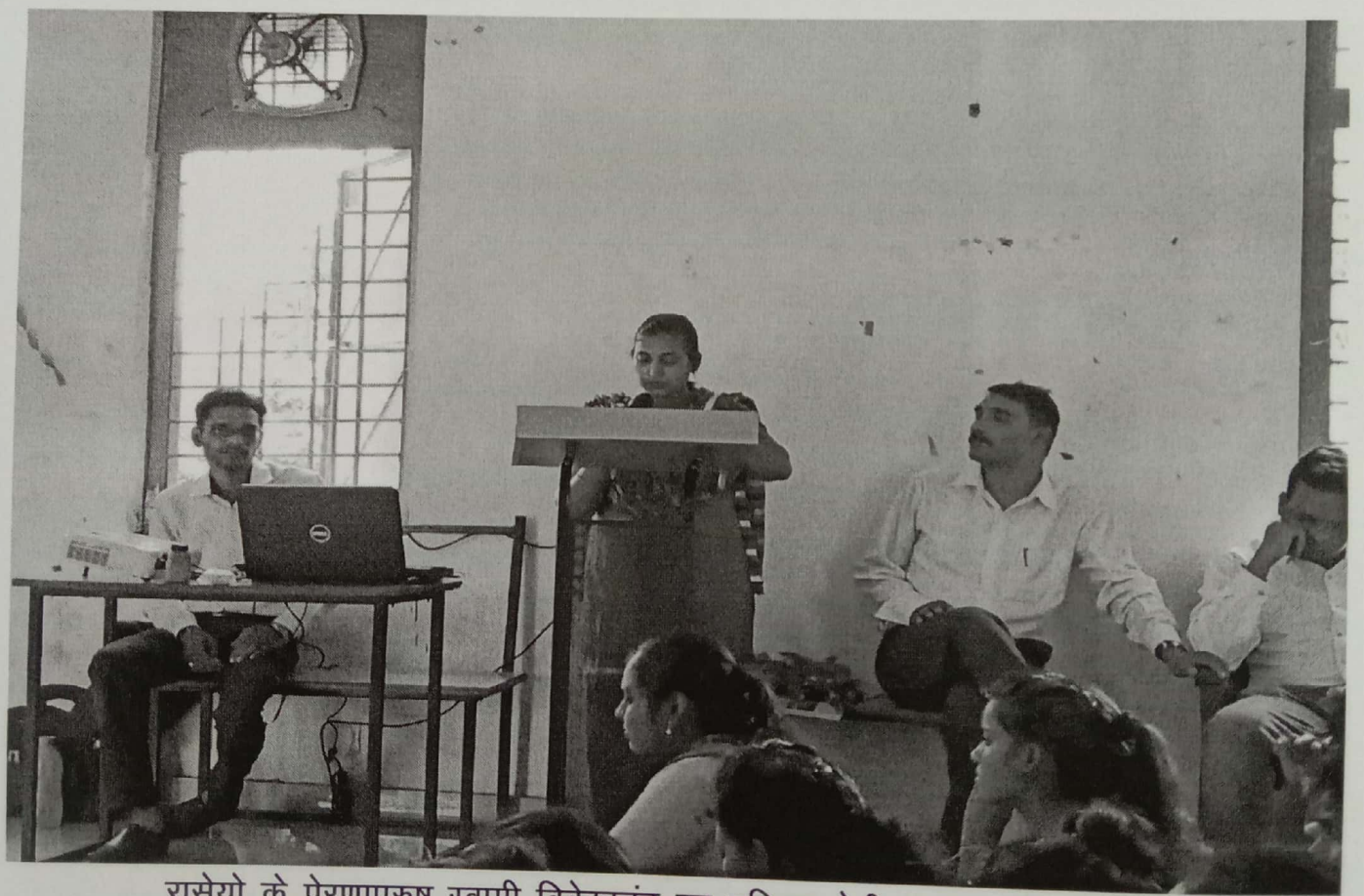

रासेयो के प्रेरणापुरुष स्वामी विवेकानंद का परिचय देती छात्रा शमीना परबीन

Scanned with CamScanner

वक्तव्य देते मुख्य अतिथि

कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्री अमित सिंह बनाफर

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महाविद्यालयीन स्टाफ तथा विद्यार्थी

(डॉ. रामकुमार मिश्र)
प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम

28. सितम्बर - 2019

'विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में अपनाएं स्वयंसेवक'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अंबिकापुर. शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने श्रमदान कर पौधरोपण किया। 18 वर्ष या उससे अधिक के स्वयं सेवकों द्वारा प्रदेश शासन के निर्देशानुसार रेड रिबन क्लब की स्थापना की गई, जिसमें 17 छात्र-छात्राओं ने रक्तदान के लिए अपना पंजीयन कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने माँ सरस्वती तथा प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। छात्रा ज्योति कुशवाहा ने रासेयो का विस्तृत परिचय दिया। कुमारी शमीना परबीन ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से अवगत कराया। छात्रों को स्वामीजी से संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन प्रोजेक्टर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभु नारायण वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के चुनौतियों एवं कर्तव्यों के प्रति स्वयंसेवकों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। वे युवाओं की शक्ति को विश्व में सबसे बड़ी शक्ति मानते थे। शिकागो के सर्वधर्म सम्मेलन में बड़े जद्दोजहद से बोलने का समय पानेवाले स्वामीजी के संबोधन 'मेरे प्यारे भाइयों और बहनों' से ही हजारों लोग चकित हुए और उनके भाषण को मंत्रमुग्ध सुनते चले गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि

कार्यक्रम के अध्यक्ष तथा प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में स्वयंसेवकों को स्वामीजी के जीवन से प्रेरणा लेने व उनके उपदेशों को अपने जीवन में उतारने को कहा। इस अवसर पर अमित सिंह बनाफर, किशोर त्रिपाठी, अजय कुमार तिवारी, शालिनी शांता कुजूर, अंजना, भारत लाल कंवर, आशीष कौशिक, संदीप सोनी, बिरेंद्र सिन्हा, रवि सिंह, अशोक राजवाड़े, सुनीता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

कार्यालय प्राचार्य,शासकीय महाविद्यालय सिलफिली

जिला–सूरजपुर, छ.ग. email-govt.collegesilphili @gmail.com

दिनांक 18 जनवरी 2019

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में स्वामी विवेकानंद के जयंती विशेष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम 15 जनवरी 2019 को "विवेकानंद का कर्मवाद" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उक्त निबंध प्रतियोगिता में देवेंद्र गिरी बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान तथा समीना परवीन बी ए द्वितीय वर्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी तारतम्य में 18 जनवरी 2019 को अपराहन 2:00 बजे महाविद्यालय परिसर में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री बीके त्रिपाठी जी थे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जन्म और उनके बचपन के की घटनाओं के तथ्यों पर अपने विचार रखे। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के अध्ययन और उनकी स्मरण शक्ति के बेहतर होने का आधार उनके लगन और उनके ध्यान को बताया। श्री अजय कुमार तिवारी ने स्वामी विवेकानंद के अमेरिका के शिकागो शहर मैं उनके व्याख्यान की चर्चा करते हुए बताया, कि सर्व धर्म सम्मेलन में जब पूरे विश्व के धर्म उपदेशक वहां मौजूद थे और उन्हें अपने अपने विचार रखने के लिए 5 मिनट का समय नहीं मिल रहा था, ऐसी स्थिति में जब स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति की व्याख्या प्रस्तुत की। लोग अत्यंत तन मन से लगभग आधे घंटे चुपचाप सुनते रहे। उसके पश्चात अमेरिका के लोगों में बहुत से उनका शिष्यत ग्रहण करने उतावले हो गए। महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री अमित सिंह ने उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। छात्र छात्राओं की ओर से कुमारी समीना परवीन बीए द्वितीय वर्ष ने स्वामी जी का जीवन परिचय कराया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक तथा छात्र-छात्राओं ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति के साथ शमीना परवीन

भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति के साथ देवेंद्र गिरि

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय सिलफिली
जिला– सूरजपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह-

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस दिवस पर दिनांक 15 सितंबर से 27 सितंबर की अवधि में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर आधारित लोक संगीत, नृत्य,नाटक ,निबंध, वाद-विवाद ,एवं चित्रकला स्पर्धा आयोजित करने का निर्देश प्राप्त हुआ। इस दिवस को एकात्म मानववाद दिवस के रूप में मनाया जाना सुनिश्चित किया गया है।

इस निर्देश के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में एकात्म मानववाद विषय पर व्याख्यान एवं विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 19 सितंबर 2017 को महाविद्यालय में एकात्म मानववाद पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर पुनीत राय सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर टीआर जटवार रहे। सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा पुष्पगुच्छ एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना का गायन भी किया गया। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा के नगरा चंद्रभान ग्राम में हुआ। 7 वर्ष की आयु में उनके माता-पिता का देहांत हो गया। पर उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखें और स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की। उपाध्याय जी जल्द ही अपने युवा काल में देश सेवा के लिए जुड़ गए और वह जनसंघ से जुड़कर अपने विचार एवं देश के प्रति अपनी भावनाओं को लेखन एवं पत्रकारिता के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाया। उपाध्याय जी पत्रकार के साथ साथ एक क्रांतिकारी विचारक भी थे उन्होंने राष्ट्रधर्म एवं पांचजन्य जैसे पत्रिका का संपादन भी किया । उन्होंने अपने विचार एवं जीवन दर्शन को एक नए रूप में परिभाषित किया जिसे ,"एकात्म मानववाद अंत्योदय " के रूप में जाना गया। इन्होंने राजनीति में एक नए आर्थिक लोकतंत्र की अवधारणा रखी जिस पर उनका विचार था इस समाज का अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति जब तक मुख्यधारा से नहीं जुड़ जाता तब तक हमारा देश वास्तविक रूप से विकसित नहीं हो सकता। पं.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने उपाध्याय जी के बारे में कहा था कि यदि मुझे दो पंडित दीनदयाल उपाध्याय मिल जाए तो मैं इस देश की राजनीति को बदल कर रख दूंगा। डॉ पुनीत राय ने अपने उद्बोधन में कहा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय की

Scanned with CamScanner

परिकल्पना उनका दर्शन उनकी जीवनशैली हमारे लिए आज भी प्रासंगिक हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने जीवन काल में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे और अपना पूरा जीवन जनसंघ के लिए निछावर कर दिया। 11 फरवरी 1968 को से उनकी मृत्यु हो गई।

कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर जटवार ने कहां की वास्तव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन जो एकात्म मानववाद के रूप में जाना जाता है समाज के हर उस व्यक्ति के लिए आवश्यक है जो आज के लोकतंत्र से प्रभावित है पीड़ित। एकात्म मानववाद यह बताता है कि हर एक व्यक्ति को अपनी अस्तित्व बनाने विचार रखें की स्वतंत्रता होनी चाहिए और समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसे सभी क्षेत्र में समानता का अधिकार मिलना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राध्यापक अजय कुमार तिवारी द्वारा मुख्य वक्ता एवं उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों का आभार प्रदर्शन किया गया।

Scanned with CamScanner

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी पर कार्यक्रम

डॉ. पुनित राय (स. प्रा. शा. महाविद्यालय शंकरगढ़)
का उल्लेख – 19.09.2017

Scanned with CamScanner

25 सितंबर-2017

दैनिक भास्कर

वाद-विवाद स्पर्धा में पूजा मंडल रहीं प्रथम

सूरजपुर. सिलफिली शासकीय महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र एकात्म मानववाद पर व्याख्यान माला आयोजित किया गया। इसमें छात्र देवेंद्र गिरी ने उपाध्याय के जीवनी का पाठन किया। मुख्य वक्ता डॉ. पुनीत कुमार राय ने एकात्म मानववाद पर प्रकाश डालते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन पर व्याख्यान दिया। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. केआर जाटवर, अंजना, शालिनी, शांता कूजुर, संदीप कुमार सोनी, अजय कुमार तिवारी, मिथुन समद्दार आदि उपस्थित थे।

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना N.S.S. विशेष शिविर

विशेष शिविर उद्घाटन कार्यक्रम :- स्थान चंदोरीडांड - 2.01.2016

- डॉ. एन पाण्डेय उद्बोधन देते हुए
- मुख्य अतिथि - डॉ. एस. पी. त्रिपाठी, प्राचार्य / अपर संचालक, अ.पुर
- अध्यक्ष - प्राचार्य डॉ. रामकुमार मिश्र
- विशिष्ट अतिथि डॉ. रिजवान उल्लाह प्राध्यापक
- सरपंच - भोला राम

Scanned with CamScanner

"शिविर परिसर की सफाई" - (प्रथम दिवस) 2.01.2016

शिविर परिसर की सफाई - 02.01.2016

Scanned with CamScanner

⇒ ग्राम चंदोरीडाँड में पानी सोखता बनाते हुए छात्र
विशेष- शिविर - चंदोरीडांड -

सेप्टिक के लिए गड्ढा खोदते हुए- स्वयं सेवक
स्थान- ग्राम चंदोरीडांड - 03.01.2016

Scanned with CamScanner

शासकीय महाविद्यालय, सिलफिली जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

सात दिवसीय विशेष शिविर , ग्राम चंदौरीडॉड- (2015.16)

शासकीय महाविद्यालय सिलफिली की एनएसएस इकाई की वार्षिक विशेष शिविर शिविर सत्र 2015-16 का आयोजन दिनांक 2 जनवरी से 8 जनवरी 2016 तक महाविद्यालय के निकट ग्राम चंदौलीडांड, जिला सूरजपुर में किया गया। यह शिविर महाविद्यालय के 25 छात्र छात्राओं एवं कार्यक्रम अधिकारी एवं अन्य अध्यापक के साथ कुल 27 लोगों का पूर्णता आवासीय शिविर था।

शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ एस के त्रिपाठी प्राचार्य अपर संचालक क्षेत्रीय कार्यालय पीजी कॉलेज अंबिकापुर रहे, इनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में पीजी कॉलेज अंबिकापुर के प्राध्यापक डॉ रिजवान उल्ला एवं एनएसएस के जिला संगठक डॉक्टर एसएन पांडे रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिलफिली महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र ने की। अन्य ग्रामीणजन मैं ग्राम पंचायत चंदौली राम के सरपंच भोला सिंह एवं सचिव विनय प्रसाद एवं अन्य पंच भी इस उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

- शिविर के प्रथम दिन छात्रों के द्वारा आवासीय परिसर का सफाई किया गया तथा रहने की व्यवस्था की गई। सायंकाल शिविर स्थल के पड़ोसी ग्रामीणों से संपर्क किया गया एवं उनकी समस्या सुनी गई जिसके आधार पर वे अपने आगामी दिवस की कार्य योजना बनाएं।
- शिविर के अगले दिन छात्रों के द्वारा ग्राम का भ्रमण किया गया एवं ग्रामवासी श्री शिवचरण राजवाड़े के यहां एक पानी सूखता गड्ढा बनाया गया साथ ही गिरधर लाल कांवर के यहां बन रहे सेप्टी टैंक में अपना सहयोग दिया तथा सेप्टिक टैंक के लिए गड्ढा खोला गया।
- शिविर के चौथे दिन छात्रों के द्वारा वहां के स्कूल बच्चों के साथ स्वच्छता एवं शिक्षा को लेकर रैली निकाली गई यह रैली ग्राम चंदौरी डाल के स्कूल परिसर से शुरू होकर पूरे गांव से होते हुए पुनःस्कूल परिसर मैं आकर समाप्त हुई।
- शिविर के पांचवे दिन बौद्धिक सत्र में भूतपूर्व सैनिक श्री शशि भूषण राय का व्याख्यान कार्यक्रम रखा गया। मुख्य अतिथि श्री राय ने अपने उद्बोधन में यह बताया कि एक सैनिक

Scanned with CamScanner

का जीवन किस तरह से कठिन परिस्थितियों से होकर गुजरता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सेना किस तरह काम करती है युद्ध के दिनों में उन्हें किन किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है एवं शांति काल में भी वे आंतरिक सुरक्षा में अपना किस तरह सहयोग देते हैं। छात्रों के लिए व्याख्यान रुचि पूर्ण एवं कौतूहल का विषय था जिस पर उन्होंने एक सैनिक के जीवन को समझा एवं भारतीय सेना से संबंधित जानकारी हासिल की।

- शिविर के छठवें दिन छात्रों द्वारा शिविर ग्राम में मद्यपान, जादू टोना ,एवं महिला शिक्षा को लेकर रैली निकाली गई। रैली के अंत में छात्रों द्वारा जादू टोना को लेकर नुक्कड़ नाटक भी किया गया जिससे ग्रामीणों ने काफी पसंद किया।

शिविर के समापन के दिन मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रामकुमार मिश्र रहे उन्होंने छात्रों को सफल पूर्वक शिविर आवेदन करने के लिए बधाई दी एवं उन्होंने कहा कि इन 7 दिनों में आपने जो कुछ सीखा उसे अपने व्यक्तिगत जीवन में लाने का प्रयास करें तभी आपकी शिविर में आने की सार्थकता होगी।

कार्यक्रम अधिकारी अमित सिंह मनोहर ने अपने संबोधन में कहा की हमारे शिविर इस पूरे 7 दिन पूरी तरह से अनुशासित रहे एवं शिविर के नियमों का पालन किया और इन्हीं के सहयोग से यह सात दिवसीय आवासीय शिविर पूर्णता सफल रहा।

Scanned with CamScanner

शिविर में श्री अजय तिवारी (पत्रकार) का सम्बोधन
सचिव श्री मुकुटधारी कुशवाहा एवं प्राध्यापक

22.12.16

"कैश लेस - लेन देन" पर व्याख्यान के पश्चात् ग्रुपिंग फोटो
मुख्यवक्ता - डॉ. के. आनंद कौशिक - (प्रा. अर्थशास्त्र)
अतिथि - डॉ. अनिल सिन्हा (समन्वयक रा. से. यो.)

Scanned with CamScanner

आयोजन... पत्रिका 23/12/16

समाज से जुड़े हैं स्वयं सेवक

कार्यक्रम में लक्ष्य गीत गाते स्वयंसेवक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

अंबिकापुर. राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयं सेवक स्थानीय स्तर समाज के प्राथमिक तबके से जुड़ा होता है। यह समाज को करीब से देखता है। समाज का समाधान उसी के कौशल से सम्भव है। यह बातें गुरूवार को सुरजपुर के गणेशपुर गांव राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अनिल सिन्हा ने कही। उन्होंने कहा कि युवाओं को समाज में अपने कर्तव्यों से सकारात्मक संदेश देना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता अभियान, कैशलेश लेन-देन, डिजटलीकरण के बारे में जानकारी देना चाहिए। उन्होंने शिविर के दौरान स्च्छता अभियान की तारीफ किया।

इससे पहले अतिथियों ने मां सरस्वती और विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम अधिकारी अमित बनाफर ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया।

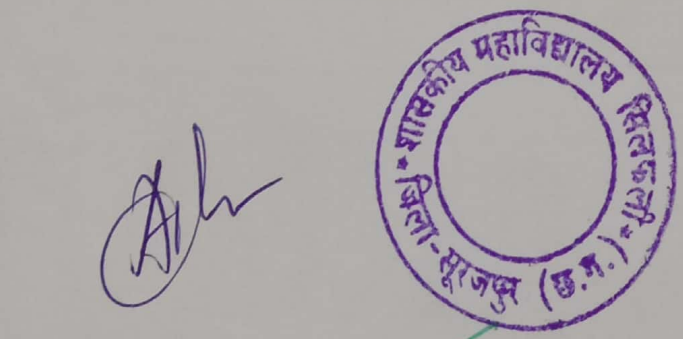

Scanned with CamScanner